फरीदाबाद से.19-हरियाणा। सोशल जस्टिस एंड वेलफेयर युनियन स्टेट मिनिस्टर कृष्णपाल गुर्जर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. हरीश बहन।

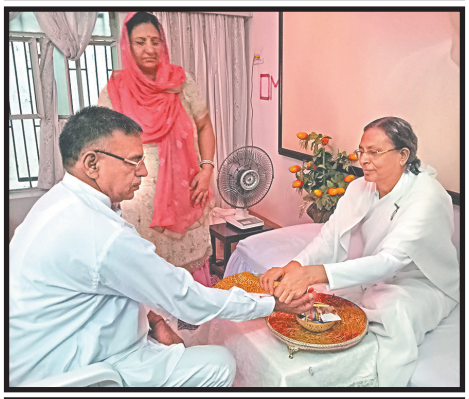

भादरा-राज.। डी.एस.पी. राजेन्दर बेनिवाल तथा उनकी धर्मपत्नी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. चन्द्रकान्ता।

दिल्ली-लोधी रोड। डॉ. अरुण पंडा,आई.ए.एस.,सचिव,भारत सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गिरिजा।

रामगढ़-राँची। कैन्टोन्मेंट बोर्ड के सी.ई.ओ. सपन कुमार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. आशा।

राजयोग मेडिटेशन से मिटती है थकान

अनुभव

प्रो. डॉ. रोमेश गौतम, नई दिल्ली

पिछले तैंतीस वर्षों से सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में कार्यरत प्रो. डॉ. रोमेश गौतम ने ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू के कैम्पस में आकर अलग अलग तरह के शक्तिशाली अनुभव किये। आपके नाम बहुत सारे अवॉर्ड हैं। आपका नाम लिम्का बुक आफ अवॉर्ड्स में भी दर्ज है। आपने ब्रह्माकुमारीज़ के साथ बिताये कुछ सुनहरे पलों को इस तरह बयां किया...

माउण्ट आबू के स्पार्क कॉन्फ्रेन्स के लिए मैं यहाँ आया। इसके पहले मैं ब्रह्माकुमारीज़ से थोड़ा बहुत परिचित था। कहा जाता है कि हर चीज़ का एक वक्त होता है। 1991 में मुझे वकालत करते हुए थोड़े साल हुए थे, मुझे घर की ज़िम्मेवारियां थीं, इसलिए शायद मेरा इस तरफ ध्यान नहीं गया। हमारा ध्यान किस तरफ लेकर जाना है, वो भी परमात्मा सब डिसाइड करता है। अब एक महीने से मैं ब्र.कु. महेन्द्र भाई के सम्पर्क में हूँ। उन्होंने मुझे स्पार्क की कॉन्फ्रेन्स के लिए बुलाया कि इसमें सीनियर एडवोकेट्स को, जजेस को, जो भी सेलिब्रिटीज़ हैं को हम बुलाते हैं जो अच्छे वक्ता भी हैं। शुरू शुरू में मुझे लगा कि मैं क्यों जाऊंगा। मैं इनको जानता नहीं हूँ। इन्होंने फोन किया, मैंने गलती से रिसीव कर लिया अननोन नम्बर को। लेकिन वही अननोन नम्बर, वही अननोन लोग एक महीने में या छः सात दिन के अन्दर मेरी फैमिली के मेम्बर बन गये। तो ये परमात्मा का चमत्कार नहीं है तो और क्या है? और मैं आप सब लोगों के साथ बैठा हूँ, अपने परिवार में बैठा हूँ, तो ये परमात्मा ने मुझे सही दिशा दिखाई और उस रास्ते पर मैं ऑटोमेटिकली चलता गया। यहां हम जिससे मिलते हैं उसके चेहरे पर मुस्कान है, उसके चेहरे पर खुशी है। वो ऐसे मिलते हैं जैसे पिछले कई जन्मों से हमारे रिश्ते हैं। और आत्मा का जो रिश्ता है, रूहानियत का रिश्ता, वो ज़्याद इम्पोर्टेन्ट है। लेकिन मैं इसमें ये भी कहना चाहूंगा कि हमारा खून का रिश्ता भी है। हम सबका एक ही खून है, क्योंकि हम सबके माँ बाप जो हैं वो एक ही परमपिता परमात्मा हैं। इसलिए हम लोगों में खून का रिश्ता भी है। और इस खून के रिश्तें में भी हम लोग आपस में जुड़ते जा रहे हैं। ये ऑर्गनाइज़ेशन जिस तरह से काम कर रहा है बहनों के अपलिफ्टमेंट के लिए, समाज में बुराइयां हटाने के लिए, हमारी अच्छी और हेल्दी लाइफ के लिए ये मेडिटेशन जो कर रहे हैं, वो काबिले तारीफ है। मैंने भी मेडिटेशन किया, जिससे मैंने 10 घंटे की नींद आधे घंटे में पूरी करना सीखा। इतने बड़े ऑर्गनाइज़ेशन में इतना अच्छा मेंटेनेन्स जहाँ पर आपको कहीं भी मिट्टी नज़र नहीं आयेगी। ये भी काबिले तारीफ है। मैं हर देश में घूमा हूँ, पूरे वर्ल्ड में चक्कर लगायें हैं अपने लीगल वर्क के लिए, लेकिन इतनी सफाई और इतना अच्छा वातावरण मुझे कहीं भी देखने को नहीं मिला। इतने अच्छे लोग विदेश में किसी भी कोने में चले जायें वो नहीं मिलेंगे। मेरी इस ऑर्गनाइज़ेशन को बहुत बहुत शुभ कामनाएं हैं और मेरा वादा है कि अब मैं बहुत जल्दी जल्दी आता रहूंगा। साल में तीन से चार बार तो ज़रूर आऊंगा।

जयपुर-राजापार्क। खान विभाग मंत्री सुरेंद्र पाल को राखी बांधते हुए ब्र.कु. सनु,कांजी नगर सेवाकेन्द्र।

फरीदाबाद से.19-हरियाणा। मानव रचना युनिवर्सिटी में वाइस चांसलर एन.सी. वारहेड एवं सीनियर फैकल्टी मेम्बर्स को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. हरीश तथा ब्र.कु. ज्योति।

डिबरुगढ़-असम। डिबरुगढ़ युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. रंजीत तामुली को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. बिनीता।

बलिया-उ.प्र.। चेयरमैन को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुमन तथा ब्र.कु. पुष्पा।

बैरिया-उ.प्र.। रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् एस.एच.ओ. गगन राज सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पुष्पा। साथ हैं ब्र.कु. समता।

झालावाड़-राज.। वल्लभ पिट्टी ग्रुप धागा फैक्ट्री के मैनेजर कविम जैन को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. मीना।

अकलेरा-झालावाड़(राज.)। विधायक कंवर लाल मीणा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. केसर।

जगन्नाथपुरी-ओडिशा। जिला न्यायाधीश अंबुजा मोहन दास को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रस्मिता।

बरेली-सिविल लाइंस(उ.प्र.)। महापौर डॉ. उमेश गौतम को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नीता।

ग्रेटर नोएडा। आई.आई.एम.टी. ग्रुप्स ऑफ कॉलेज के डायरेक्टर राहुल गोयल को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. जयंती।

बरेली-बजरिया पूरनमल। कमिश्नर पी.बी. जगमोहन को रक्षासूत्र बांधने से पूर्व आत्म स्मृति का तिलक लगाते हुए ब्र.कु. जया।

खगड़िया-बेला सिमरी। गंगौर थाना अध्यक्ष गजेन्द्र कुमार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. आशा।